टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED
(अनुसूची 'ए' , मिनी रत्न , पीएसयू)
(Schedule 'A', Mini Ratna PSU)

Great Place To Work. Certified

जांगावतरणम्
JANGAVATARANAM

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की गृह पत्रिका

जून, 2025

Generating Power...Transmitting Prosperity...

मुख्य संरक्षक
श्री आर. के. विश्नोई
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

संरक्षक
श्री शैलेन्द्र सिंह
निदेशक (कार्मिक)

संपादक
डॉ. ए. एन. त्रिपाठी
मुख्य महाप्रबंधक
(मा. सं. एवं प्रशा. एवं जनसंपर्क)

उप संपादक
डॉ. काजल परमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

विशिष्ट सहयोग
श्री पंकज कुमार शर्मा
उप प्रबंधक (राजभाषा)

सहायक संपादक
श्री ईशान भूषण
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

समन्वयक

टिहरी
श्री मनबीर सिंह नेगी
प्रबंधक (जनसंपर्क)

कोटेश्वर
श्री आर. डी. मंमगाई
उप प्रबंधक (जनसंपर्क)

कौशांबी
श्री के. सूर्या मौली
सहायक प्रबंधक (मा.सं एवं प्रशा.)

खुर्जा
श्री प्रभात कुमार
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

पीपलकोटी
श्री यतवीर सिंह चौहान, प्रबंधक (जनसंपर्क)
व **श्री अविनाश कुमार**
सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क)

ऋषिकेश
श्री अभिषेक तिवारी
जनसंपर्क अधिकारी

CONTENTS

1. CMD's Message ——— 3.

2. COD process of 1st Unit of Tehri PSP by Hon'ble Minister of Power, Govt. of India ——— 4.

3. THDCIL conferred with Rajbhasha Shield Jyoti Award & THDC Holds First Quarterly Vigilance Review Meeting for FY 2025–26 ——— 5.

4. THDCIL Signed MoU & PPA with Govt. of Gujarat for 184 MW Clean Power from PSP, Tehri & International Yoga Day 2025 ——— 6.

5. World Environment Day 2025 ——— 8.

6. THDC Organized 'UDAAN' Leadership Development Program for PFC Executives at HRD Centre & Rajbhasha competition at VPEHEP ——— 9.

7. A 04-Day Capacity Building Workshop on Holistic and Inclusive Management for Women Employees at Dharamshala ——— 10.

8. THDC Organized Strategic Leadership Workshop 'Leading with Purpose' for Senior Executives at Puri ——— 11.

9. Launching of Online Vigilance Complaint Handling System ——— 12.

10. Swacchata Pakhwada at Tehri Project & VPHEP organized Vigilance Awareness Program for Contractors/ Suppliers ——— 13.

11. Ladies Club & Hindi Workshop at VPHEP ——— 14.

12. Inauguration of Record Office & Motivational and health-enhancing sessions organized for VPHEP employees ——— 15.

13. HRD Corner ——— 16.

14. Article: Bridging Aspirations with Impact: THDCIL's CSR Journey in Aspirational Districts ——— 17.

15. Retirements ——— 19.

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का संदेश

प्रिय पाठकों,

जून माह भारतीय प्रकृति, संस्कृति और परंपरा, तीनों ही दृष्टियों से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह समय ग्रीष्म ऋतु की समाप्ति और वर्षा ऋतु के आगमन का संकेत देता है। धरती तृप्त होकर नवजीवन की प्रतीक्षा में होती है, खेत-खलिहान अगले चक्र की तैयारी में जुट जाते हैं और मानव मन भी एक नवीन ऊर्जा और चेतना से भर उठता है। यह काल केवल ऋतु-परिवर्तन का ही नहीं, अपितु आत्मचिंतन, साधना और संतुलन की ओर लौटने का भी अवसर प्रदान करता है। यही कारण है कि इसी माह में 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' जैसे वैश्विक उत्सव का आयोजन भी किया जाता है, जो भारत की सनातन ज्ञान परंपरा की वैज्ञानिकता एवं सार्वभौमिकता को विश्व मंच पर प्रतिष्ठित करता है।

हमारे निगम के लिए भी यह माह अनेक ऐतिहासिक उपलब्धियों और उल्लासमय क्षणों का साक्षी बना। मुझे यह साझा करते हुए अत्यंत गर्व और प्रसन्नता हो रही है कि इस माह, टिहरी में 1000 मेगावाट की वेरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज परियोजना की प्रथम इकाई (250 मेगावाट) की सीओडी प्रक्रिया की सफलतापूर्वक शुरुआत की गई। यह उपलब्धि न केवल टीएचडीसी के गौरव को बढ़ाने वाली है, बल्कि यह भारत की नवीकरणीय ऊर्जा यात्रा में भी एक मील का पत्थर सिद्ध हुई है।

इस ऐतिहासिक परियोजना के साथ टिहरी पीएसपी, किसी भी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम द्वारा निर्मित सबसे बड़ा पंप स्टोरेज प्लांट बनने का गौरव प्राप्त कर चुका है, साथ ही यह देश का प्रथम वेरिएबल स्पीड पीएसपी बनकर एक नए ऊर्जा युग की शुरुआत कर चुका है। यह गौरवपूर्ण उपलब्धि आप सभी के परिश्रम, समर्पण और सहयोग का प्रतिफल है और इसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं।

साथियों, 21 जून संपूर्ण विश्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर हमारे निगम द्वारा भी विविध कार्यक्रमों के माध्यम से योग के प्रति जागरूकता और उत्साहपूर्वक सहभागिता का परिचय दिया गया। योग की महत्ता को प्राचीन काल से ही स्वीकार किया गया है। प्रसिद्ध संस्कृत कवि भर्तृहरि ने योगी के जीवन को अत्यंत सुंदर शब्दों में व्यक्त किया है:

धैर्यं यस्य पिता क्षमा च जननी शान्तिश्चिरं गेहिनी
सत्यं सूनु:अयं दया च भगिनी भ्राता मनः संयमः।
शय्या भूमितलं दिशोऽपि वसनं ज्ञानामृतं भोजनं
एते यस्य कुटुम्बिनः वद सखे कस्माद् भयं योगिनः।।

अर्थात्, योग के अभ्यास से ऐसा जीवन प्राप्त होता है जहाँ धैर्य पिता है, क्षमा माता, शांति पत्नी, सत्य संतान, दया बहन, और संयम भाई के समान होता है। पृथ्वी बिछावन बन जाती है, दिशाएं वस्त्र और ज्ञान स्वयं भोजन बन जाता है। ऐसे योगी को फिर किस बात का भय?

साथियों, योग के साथ-साथ हमें अपनी मातृभाषा, राजभाषा हिंदी को भी समर्पण और सम्मान के साथ अपनाना चाहिए। टीएचडीसी परिवार निरंतर इस दिशा में कार्यरत है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय की राजभाषा सलाहकार समिति की बैठक में टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को 'राजभाषा ज्योति शील्ड' से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार वर्ष 2023-24 में राजभाषा नीति के उत्कृष्ट कार्यान्वयन हेतु प्रदान किया गया, जो हमारे संयुक्त प्रयासों का प्रमाण है।

टीएचडीसी परिवार में नित्य नए सदस्य जुड़ रहे हैं। हमारी युवा पीढ़ी ऊर्जावान, नवोन्मेषी और कार्यशील है। मैं इन नवप्रवेशित साथियों से विशेष आग्रह करता हूं कि वे हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग अपने कार्य, व्यवहार में करें। अन्य भाषाओं का भी महत्व है, परंतु हिंदी वह सूत्र है जो हमें एकता के मोतियों में पिरोती है और हमारी सांस्कृतिक पहचान को सुदृढ़ बनाती है।

आइए, हम सब मिलकर ऊर्जा निर्माण के साथ-साथ सांस्कृतिक और भाषिक मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्धन का भी संकल्प लें।

शुभकामनाओं सहित

(आर. के. विश्नोई)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

श्री मनोहर लाल, माननीय केंद्रीय विद्युत मंत्री, भारत सरकार ने टीएचडीसी द्वारा भारत के पहले वेरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज प्लांट, टिहरी पीएसपी की पहली इकाई के सीओडी प्रक्रिया की शुरुआत की सराहना की

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने उत्तराखंड के टिहरी में 1000 मेगावाट के वेरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज प्लांट (पीएसपी) की पहली इकाई (250 मेगावाट) की सीओडी प्रक्रिया की सफल शुरुआत करने की घोषणा 04 जून, 2025 को की। यह ऐतिहासिक उपलब्धि भारत की अक्षय ऊर्जा यात्रा में विशिष्ट सफलता के रूप में दर्ज हुई है, जिसने टिहरी पीएसपी को किसी भी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (सीपीएसई) द्वारा निर्मित सबसे बड़ा पंप स्टोरेज प्लांट और देश में पहला वेरिएबल स्पीड पीएसपी के रूप में स्थापित किया है।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भारत सरकार के माननीय केंद्रीय विद्युत तथा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री, श्री मनोहर लाल ने वर्चुअल मोड के माध्यम से टिहरी पीएसपी की प्रथम यूनिट के प्रचालन का आधिकारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर विद्युत क्षेत्र के प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे जिनमें श्री पंकज अग्रवाल (आईएएस), सचिव, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार, श्री आकाश त्रिपाठी (आईएएस), अपर सचिव, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार, श्री गुरदीप सिंह, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, एनटीपीसी, श्री आर.के.विश्नोई, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, टीएचडीसीआईएल, श्री शैलेन्द्र सिंह, निदेशक (कार्मिक), टीएचडीसीआईएल, श्री भूपेन्द्र गुप्ता, निदेशक (तकनीकी), टीएचडीसीआईएल एवं श्री सिपन कुमार गर्ग, निदेशक (वित्त), टीएचडीसीआईएल भी उपस्थित रहे ।

श्री मनोहर लाल, माननीय केंद्रीय विद्युत तथा आवास एवं शहरी कार्य मंत्री, भारत सरकार ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि टिहरी में भारत के पहले वेरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज प्लांट की प्रथम यूनिट का सफल प्रचालन केवल टीएचडीसीआईएल की एक तकनीकी उपलब्धि नहीं है, बल्कि भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में एक साहसिक कदम है। वेरिएबल स्पीड प्रौद्योगिकी हमें सटीकता के साथ विद्युत प्रवाह का प्रबंधन करने की अनुमति देती है, जिससे हमारा ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र अधिक स्मार्ट और अधिक लचीला बनता है।

माननीय मंत्री ने टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की पूरी टीम, कार्यान्वयन के अन्य भागीदारों तथा प्रत्येक व्यक्ति को बधाई दी जिन्होंने इस ऐतिहासिक सफलता में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से योगदान दिया ।

विद्युत मंत्रालय के सचिव, श्री पंकज अग्रवाल ने कमीशनिंग की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि टिहरी में वेरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज प्लांट एक अग्रणी विकास है, जो हमारे ग्रिड के लचीलेपन को सुदृढ़ बनाता है। यह अक्षय ऊर्जा की बढ़ती मात्रा को एकीकृत करने और स्वच्छ, विश्वसनीय ऊर्जा पारिस्थितिकी तंत्र की ओर ट्रांसमिशन के हमारे मिशन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एनटीपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री गुरदीप सिंह ने बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि जलविद्युत क्षेत्र में भारतीय सार्वजनिक उपक्रमों की उच्च स्तरीय अभियांत्रिकी क्षमताओं को दर्शाती है। पीएसपी की यह उपलब्धि देश भर में भविष्य में निर्मित होने वाले पीएसपी के विकास के लिए एक विशेष मिसाल कायम करेगी।

टीएचडीसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर.के. विश्नोई ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर टिहरी पीएसपी की पूरी टीम को हार्दिक बधाई दी और कहा कि एक बार पूरी तरह कमीशन हो जाने पर यह परियोजना टिहरी हाइड्रो पावर कॉम्प्लेक्स की क्षमता को 2400 मेगावाट तक बढ़ा देगी, जिससे यह भारत का सबसे बड़ा हाइड्रो पावर कॉम्प्लेक्स बन जाएगा। यह परियोजना ऑफ-पीक अधिशेष ऊर्जा को पीकिंग पावर में परिवर्तित करने, ग्रिड लचीलापन बढ़ाने और चौबीस घंटे विद्युत उपलब्ध कराने में सहयोग देने में सहायक होगी।

लचीली पीकिंग पावर और महत्वपूर्ण ग्रिड संतुलन समर्थन प्रदान करने के लिए परिकल्पित की गई टिहरी वेरिएबल स्पीड पीएसपी वैश्विक मंच पर भारत की आंतरायिक नवीकरणीय ऊर्जा का प्रबंधन करने की क्षमता में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप प्रतिनिधित्व करती है। 250 मेगावाट की वेरिएबल स्पीड वाली पंप स्टोरेज हाइड्रो पावर यूनिट, और इसके पावर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कंट्रोल सिस्टम जीई वर्नोवा द्वारा आपूर्ति किए गए हैं। जीई वर्नोवा एक वैश्विक ऊर्जा कंपनी है जो हाइड्रो पावर का दोहन करने और विश्वसनीय ऊर्जा समाधान देने के लिए उन्नत तकनीकों का उत्पादन करती है। वर्तमान में टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की इक्विटी में एनटीपीसी लिमिटेड और उत्तर प्रदेश सरकार की हिस्सेदारी है।

इस अवसर पर टीएचडीसीआईएल के कार्यपालक निदेशक (टिहरी कॉम्प्लेक्स) श्री एल.पी. जोशी, टीएचडीसीआईएल के वरिष्ठ अधिकारी और जीई वर्नोवा, एचसीसी और विद्युत क्षेत्र के अन्य प्रमुख हितधारकों के साथ परियोजना से जुड़े अन्य प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड विद्युत मंत्रालय की राजभाषा ज्योति शील्ड से पुरस्कृत

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को भारत सरकार, विद्युत मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की 19 जून, 2025 को हुई बैठक में राजभाषा ज्योति शील्ड से पुरस्कृत किया गया। यह पुरस्कार माननीय विद्युत एवं आवासन और शहरी कार्य मंत्री, श्री मनोहर लाल के कर-कमलों से टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्नोई एवं निदेशक (कार्मिक), श्री शैलेन्द्र सिंह ने प्राप्त किया। इस अवसर पर माननीय विद्युत राज्यमंत्री, श्री श्रीपाद नाईक, सचिव (विद्युत), श्री पंकज अग्रवाल (आईएएस), श्री धीरज कुमार श्रीवास्तव, मुख्य अभियंता (प्रभारी राजभाषा), विद्युत मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले सभी कार्यालयों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के प्रमुख तथा प्रतिनिधि, हिंदी सलाहकार समिति के माननीय सदस्य एवं अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

इस अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री राजीव विश्नोई ने टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के अधिकारियों व कर्मचारियों को बधाई संप्रेषित करते हुए कहा कि किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने का मूल मंत्र यही है कि हम निरंतर अपने कार्यों में जुटे रहें। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड जहां एक ओर अपनी व्यावसायिक गतिविधियों में तेजी ला रही है वहीं अपने संवैधानिक एवं सांविधिक दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वाह करने के प्रति भी कटिबद्ध है।

इस पुरस्कार के बारे में जानकारी देते हुए टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के निदेशक (कार्मिक), श्री शैलेंद्र सिंह ने बताया कि टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को यह पुरस्कार 2023-24 के दौरान राजभाषा नीति के कार्यान्वयन में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रदान किया गया है। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने भारत सरकार, विद्युत मंत्रालय के अधीनस्थ सभी संस्थानों के द्वारा भेजी गई प्रविष्टियों में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर यह शील्ड प्राप्त की है। उल्लेखनीय है कि इसी अवधि के लिए 14 सितंबर, 2024 को टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड को भारत सरकार, गृह मंत्रालय के द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की श्रेणी में प्रथम राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री, श्री अमित शाह के कर-कमलों से भी पुरस्कृत किया गया था एवं इसी अवधि के लिए नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, हरिद्वार की 29 जनवरी, 2025 को आयोजित हुई बैठक में नराकास राजभाषा वैजयंती प्रथम पुरस्कार से भी पुरस्कृत किया गया था।

इस बैठक में विद्युत मंत्रालय के नियंत्रणाधीन कार्यालयों और उपक्रमों की राजभाषा गृह पत्रिकाओं का विमोचन भी किया गया | इस अवसर पर टीएचडीसी की राजभाषा पत्रिका 'पहल' के 35वें अंक का विमोचन किया गया।

THDC Holds First Quarterly Vigilance Review Meeting for FY 2025–26

THDC conducted First Quarterly Review Meeting (QRM) for the Vigilance Department for the Financial Year 2025–26 at the HRD Centre, Aam Bagh, Rishikesh on 18th June, 2025. Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, THDCIL, reiterated the organization's steadfast commitment to transparency, ethical governance, and a culture of proactive vigilance. He highlighted that vigilance is not merely a compliance function but a key pillar that strengthens responsible and accountable public sector management.

Meeting was chaired by Ms. Rashmita Jha, Chief Vigilance Officer (IRS), and was attended by Sh. S. K. Arya, Deputy CVO/GM (Vigilance), along with other vigilance officials from all projects and the Corporate Office of THDCIL. The session saw comprehensive discussions on various vigilance-related focus areas, such as the handling of audit paras and complaints, the conduct of surprise and CTE-type inspections, and the relevance of CDA Rules, Whistle Blower Policy, and Labour Laws.

In her address, CVO Ms. Rashmita Jha emphasized the importance of nurturing a future-ready vigilance framework aligned with THDCIL's core values. She encouraged the development of young vigilance professionals for leadership roles and provided strategic guidance to further embed ethical practices in the organization's operational ethos.

टीएचडीसी ने भारत के पहले वेरिएबल स्पीड पीएसपी से उत्पादित होने वाली विद्युत में से 184 मेगावाट स्वच्छ विद्युत के लिए गुजरात सरकार के साथ समझौता ज्ञापन और पीपीए पर हस्ताक्षर किए

भारत के अक्षय ऊर्जा परिदृश्य के ऐतिहासिक विकास के क्रम में, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ने उत्तराखंड में टिहरी पंप स्टोरेज प्लांट से उत्पादित 184.08 मेगावाट विद्युत की आपूर्ति के लिए गुजरात सरकार और गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन और विद्युत क्रय समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए।

समझौते का उद्देश्य गुजरात की पीक-ऑवर विद्युत मांग को पूरा करना एवं ग्रिड में अक्षय ऊर्जा (आरई) के बड़े पैमाने पर एकीकरण को सक्षम बनाना रहा। 25 जून, 2025 को आयोजित हुआ हस्ताक्षर समारोह गुजरात सरकार के माननीय वित्त, ऊर्जा और पेट्रोकेमिकल्स मंत्री श्री कनुभाई देसाई, गुजरात सरकार के अपर मुख्य सचिव, श्री एस.जे. हैदर, श्री अनुपम आनंद, प्रबंध निदेशक, गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड, सुश्री भक्ति शैमल, संयुक्त सचिव, गुजरात सरकार, श्री आर. के. विश्नोई, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, टीएचडीसीआईएल, श्री सिपन कुमार गर्ग, निदेशक (वित्त), टीएचडीसीआईएल एवं श्री के. पी. जांगिड़, निदेशक (वित्त), गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

इस अवसर पर श्री विश्नोई ने कहा कि यह समझौता अभिनव जलविद्युत प्रौद्योगिकियों के माध्यम से ऊर्जा परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए टीएचडीसीआईएल की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है। भारत के पहले वेरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज प्लांट के साथ, हम गुजरात राज्य को उसकी गतिशील पीक-ऑवर आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक विश्वसनीय और हरित ऊर्जा समाधान प्रदान कर रहे हैं। टिहरी पीएसपी टीएचडीसीआईएल की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता और सतत ऊर्जा भविष्य के दृष्टिकोण का प्रमाण है। टीएचडीसीआईएल विद्युत उत्पादन में अभिनव और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के माध्यम से सतत ऊर्जा समाधानों को निरंतर आगे बढ़ा रहा है। टीएचडीसीआईएल का ध्यान विश्वसनीयता, लचीलेपन और भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन का समर्थन करने पर बना हुआ है।

इस अवसर पर टीएचडीसीआईएल के निदेशक (वित्त), श्री सिपन कुमार गर्ग ने कहा कि यह टीएचडीसीआईएल का अभिनव और व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य स्वच्छ ऊर्जा समाधान प्रदान करने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है। संगठन ऐसी दूरदर्शी पहलों के माध्यम से सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह समझौता ज्ञापन और पीपीए भारत सरकार की उस दृष्टि के अनुरूप हैं, जिसका उद्देश्य पंप्ड स्टोरेज तकनीक को लचीले ऊर्जा उत्पादन और ग्रिड संतुलन के एक विश्वसनीय समाधान के रूप में बढ़ावा देना है, विशेष रूप से ऐसे समय में जब नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ रही है और मांग की प्रवृति भी बदल रही है।

इस अवसर पर श्री सौरव नंदी, महाप्रबंधक (वित्त), जीयूवीएनएल, श्री आर. के. वर्मा, अपर महाप्रबंधक, टीएचडीसीआईएल, श्री अजय वैश, उप महाप्रबंधक, टीएचडीसीआईएल एवं गुजरात सरकार तथा गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड में उत्साह और जोश के साथ मनाया गया 11 वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के कारपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश में 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में कर्मचारियों और उनके परिवारों की सक्रिय भागीदारी रही, जो समग्र कल्याण और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए निगम की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस अवसर पर, टीएचडीसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री आर. के. विश्नोई ने वर्तमान समय में मनुष्य के व्यस्त जीवन शैली में योग की बढ़ती प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, "योग हमारी प्राचीन भारतीय परंपरा का एक अमूल्य उपहार है, शारीरिक जीवन शक्ति और मानसिक स्वास्थ्य दोनों का विकास करने के लिए सबसे शक्तिशाली और विश्वसनीय साधनों में से एक के रूप में विकसित हुआ है। यह आधुनिक जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए आंतरिक शक्ति, अनुशासन और लचीलापन प्रदान करता है।"

इस कार्यक्रम का उद्घाटन, कारपोरेट कार्यालय, ऋषिकेश के सामुदायिक केंद्र में टीएचडीसीआईएल के निदेशक (कार्मिक), श्री शैलेन्द्र सिंह एवं निदेशक (तकनीकी), श्री भूपेंद्र गुप्ता ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

अपने संबोधन में श्री सिंह ने माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व की सराहना की, जिनके प्रयासों के कारण ही संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की घोषणा की गई और योग को अंतरराष्ट्रीय महत्व प्राप्त हुआ। श्री सिंह ने कहा कि “आज, योग सीमाओं को पार कर गया है और एक सार्वभौमिक अभ्यास बन गया है, जिससे शरीर, मन और आत्मा में सामंजस्य लाने की क्षमता के लिए दुनिया भर में लाखों लोगों ने अपनाया है।” उन्होंने टीएचडीसीआईएल के कर्मचारियों और उनके परिवारों के उत्साही भागीदारी की सराहना की। साथ ही एक स्वस्थ जीवन शैली और सकारात्मक संगठनात्मक संस्कृति के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना की। इस वर्ष का विषय "योगा फॉर वन अर्थ, वन हेल्थ" जो कि भारत के समग्र कल्याण के कालातीत ज्ञान को दर्शाता है, जो व्यक्तिगत स्वास्थ्य और हमारे ग्रह के स्वास्थ्य के बीच गहन संबंध पर जोर देता है। इस महत्वपूर्ण अवसर का एक प्रमुख आकर्षण अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के संबोधन का सीधा प्रसारण था, जिसे सभी उपस्थित लोगों ने ध्यानपूर्वक सुना, जिससे उत्सव की भावना और गहरी हो गई। टीएचडीसीआईएल में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन ने एक बार फिर कर्मचारी कल्याण, कार्य-जीवन संतुलन और भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रचार-प्रसार पर संगठन के फोकस की पुष्टि की। समारोह में भारत स्वाभिमान न्यास समूह द्वारा संचालित योग सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने लचीलेपन, आंतरिक शांति और मानसिक शांति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न आसन, प्राणायाम और श्वास तकनीकों का अभ्यास किया। टीएचडीसीआईएल परिवार के सदस्यों द्वारा विशेष योग-मुद्रा की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को एक सुंदर और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाया।

इस अवसर पर श्री संदीप सिंघल, कार्यपालक निदेशक (तकनीकी), डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन तथा सीसी) एवं टीएचडीसीआईएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। टीएचडीसीआईएल की सभी परियोजनाओं एवं इकाई कार्यालयों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

ऋषिकेश

टिहरी

खुर्जा

पीपलकोटी

कौशांबी

देहरादून

अमेलिया

लखनऊ

झांसी

ललितपुर

चित्रकूट

योग: कर्मसु कौशलम्।
Excellence in Karma is Yoga.

THDC Observed World Environment Day with Plantation Drive and Awareness Program

THDC India Limited (THDCIL) celebrated World Environment Day with great enthusiasm at its Corporate Office in Rishikesh, as well as across all its project sites and regional offices. Sh. R. K. Vishnoi, CMD, stated that THDC India Limited being a premier Public Sector Undertaking in the Power Sector, has always taken a proactive role in promoting sustainability, clean energy development, and environmental stewardship. Sh. Vishnoi said that THDCIL has been at the forefront of sustainable development initiatives across the country. As a responsible energy PSU, we are committed to aligning all our operations with the principles of ecological preservation, green innovation, and community wellbeing.

Sh. Vishnoi further emphasized that in line with India's commitment to achieving Net Zero targets and the Sustainable Development Goals (SDGs), THDCIL continues to lead by example in the renewable and hydropower domain while integrating sustainable practices in every facet of our operations.

In continuation of this commitment, THDCIL observed World Environment Day on 5th June 2025 at its Corporate Office in Rishikesh with great fervor and enthusiasm. The event was marked by the plantation of saplings of indigenous species at the Sustainable Livelihood and Community Development Centre, Rishikesh, symbolizing growth, resilience, and remembrance.

Under the global theme "Beat Plastic Pollution", THDCIL successfully organized a comprehensive awareness program aimed at fostering environmental responsibility and encouraging sustainable practices among all stakeholders.

The program was inaugurated by Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel), THDCIL, in the presence of Sh. Sandeep Singhal, Executive Director (Technical), Sh. R. R. Semwal, CGM, and Prof. Surendra Singh Suthar, Dean, Doon University, the keynote speaker and a renowned environmental expert.

During his address, Sh. Shallinder Singh emphasized the urgency of environmental conservation and discouraged the use of single-use plastics, advocating for the adoption of eco-friendly and sustainable alternatives. He highlighted the numerous proactive initiatives taken by THDCIL towards sustainability, at its Corporate Office and projects/offices further underlining the company's deep-rooted commitment to environmental preservation.

Sh. Singh added that THDCIL continues to contribute meaningfully to India's energy sector, while embedding sustainability and environmental consciousness as core values of its corporate ethos. World Environment Day is a powerful reminder of our collective responsibility toward nature. THDCIL remains committed to fostering sustainability through continuous green initiatives. Every sapling we plant today is a promise for a greener tomorrow.

During his insightful lecture, Prof. Surendra Singh Suthar presented alarming findings on the spread of microplastics (MPs) in delicate ecosystems, especially in the Himalayan region. He elaborated on the pervasive risks posed by MPs in both terrestrial and aquatic environments and their interactions with microbial systems.

Sh. Ajay Garg, GM (Finance), Dr. Amarnath Tripathy, GM (HR-Admin, CC), Sh. S. K. Arya, Dy. CVO, Sh. Harsh Kumar, AGM (S&E) along with other senior officials of THDCIL were also present during the occasion.

THDC organized ‘UDAAN’ Leadership Development Program for PFC Executives at HRD Centre, Rishikesh

To strengthen leadership capabilities and foster team excellence across the power sector, THDC India Limited (THDCIL) has organized a comprehensive training program titled ‘UDAAN: Building High-Performance Teams’, bringing together senior professionals from Power Finance Corporation (PFC) for an immersive experience at its HRD centre in Rishikesh from 2nd June to 4th June, 2025.

Speaking on the occasion, Sh. R.K. Vishnoi, CMD, THDCIL, emphasized, “The success of any organization in today’s dynamic business environment hinges not just on individual brilliance but on the collective strength of its teams. UDAAN is a reflection of our commitment to nurturing leadership excellence and fostering collaboration, innovation, and shared purpose across the power sector. Together with PFC, we aim to create synergies that will drive sustainable growth and national progress.”

The program was formally inaugurated by Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel), THDCIL, who warmly welcomed all participants and highlighted the deeper purpose of the initiative. He shared, “At THDCIL, we believe that real achievement comes from collective effort, where teams work in harmony and rise as one. Through UDAAN, we are not just offering a training experience, we are offering an opportunity for reflection, renewal, and connection, set against the serene and symbolic backdrop of Rishikesh. It is a chance to learn, engage, and strengthen the very foundations that make teams excel.”

One of the key highlights of the program was a curated visit to the Tehri Hydro Power Project, THDCIL’s flagship engineering marvel, which offered participants insights not just into technical excellence but the teamwork, discipline, and determination that underpin such landmark achievements.

The program was further enriched by the presence of Dr. Rinki Dahiya, IIM Sirmaur, an expert in organizational behaviour and high-performance teams, whose sessions were designed to provide practical tools and insights for leadership growth and team transformation.

With this initiative, THDCIL reaffirms its dedication to not only developing its own people but also contributing to the broader growth and excellence of India’s power sector by fostering collaboration, trust, and high performance across organizational boundaries.

A total of 24 participants attended the program, engaging in a journey of learning, collaboration, and leadership development. During the program, Dr. A. N. Tripathy, CGM (HR and Admin & CC) was also present. Power Finance Corporation (PFC) is a leading financial institution driving India’s power sector growth.

वीपीएचईपी में राजभाषा प्रतियोगिता का सफल आयोजन

टीएचडीसी की 444 मे.वा. वीपीएचईपी में 11 जून, 2025 को राजभाषा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य कार्यस्थल पर हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार तथा राजभाषा नीति के अनुरूप हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देना था। प्रतियोगिता में परियोजना में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख, श्री अजय वर्मा ने प्रतिभागियों की सराहना की और कहा कि हिंदी हमारे कार्य व्यवहार की आत्मा है तथा ऐसे आयोजनों से कर्मचारियों में राजभाषा के प्रति जागरूकता बढ़ती है।

THDC conducted a 04-Day Capacity Building Workshop on Holistic and Inclusive Management for Women Employees at Dharamshala

In a significant initiative reflecting its unwavering focus on gender inclusivity and employee development, THDC India Limited conducted a four-day workshop titled “Empowering Women Employees through Holistic and Inclusive Management” from 26th to 29th June, 2025 at Dharamshala, Himachal Pradesh.

Shri R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, THDCIL, highlighting the significance of women employees’ welfare initiatives, stated that at THDC India Limited, women empowerment is not just a workplace commitment, it is a deeply embedded value that we actively nurture through inclusive policies and transformative programs. Whether through leadership roles, skill-building initiatives, or outbound training, we believe in creating opportunities that unlock the full potential of our women employees. This workshop in Dharamshala is yet another step towards building a more empathetic, balanced, and future-ready organization.

The inaugural session was graced by Shri Shallinder Singh, Director (Personnel), THDCIL, who highlighted the strategic importance of such initiatives. In his address, Sh. Singh stated that at THDCIL, we recognize that empowering women is fundamental to organizational excellence and cultural integrity. This program reaffirms our commitment to developing leadership pathways that are inclusive, supportive, and forward-looking. The serene and spiritually vibrant setting of Dharamshala was chosen to provide a space of reflection, renewal, and strength-building for the participants. The workshop was thoughtfully designed to integrate leadership development, emotional resilience, physical wellness, and experiential learning. Sh. Singh stated that over the years, THDCIL has been organizing a series of initiatives towards women empowerment, in sports, culture, HRD and other State-of-the-Art technological interventions, and that such initiatives would prepare our women colleagues to be equipped to face the transformational challenges in both professional and personal life.

The training module not only focused on managerial and interpersonal competencies but also explored wellness-centric dimensions like stress management, emotional intelligence, and work-life harmony, with an emphasis on continued dialogue, community building, and the pivotal role of women as instruments of change in both organizational and societal spheres.

Dr. A. N. Tripathy, CGM (HR&A), THDCIL, along with distinguished faculties of the workshop Dr. Ritu Gaur (Director, Saksham Social Welfare Society), Dr. Gunjan Malhotra (Renowned Gynaecologist and Former Mrs. India), Dr. Arti Kashyap (Nutritionist), and THDCIL women officers from different Projects/Offices were associated in the inaugural session.

THDC organized Strategic Leadership Workshop 'Leading with Purpose' for Senior Executives at Puri

To cultivate purpose-driven leadership and empower its senior executives with future-ready strategic insights, THDC India Limited a premier power generation PSU, in collaboration with IMS Ghaziabad, organized a two-day immersive workshop titled "Leading with Purpose: Strategic Leadership in the Modern Age" in the spiritually enriching city of Puri, Odisha.

Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, THDCIL, lauded the initiative and emphasized its critical relevance in today's fast-evolving leadership ecosystem. He stated that, "The future of leadership lies in harmonizing innovation with integrity, and foresight with empathy. Initiatives like this are vital to prepare our leaders to navigate complexity with purpose and contribute meaningfully to THDCIL's journey of sustainable excellence and nation-building."

The workshop was inaugurated by Sh. Shallinder Singh, Director (Personnel), THDCIL, who addressed the participants and underscored the strategic importance of the initiative. In his remarks, he noted that "This program is a step towards building a leadership culture anchored in purpose, agility, and resilience. As leaders, we must not only adapt to change but actively shape it, guided by empathy, ethics, and strategic vision."

Curated as a leadership retreat rather than a conventional training program, the workshop featured an experiential learning approach, integrating introspection, real-world simulations, and collaborative dialogue. Participants had the privilege of engaging with eminent thought leaders, Dr. Virendra P. Singh and Dr. Prasoon M. Tripathi, who brought rich insights from both academia and industry.

Sessions explored contemporary leadership themes including transformational and servant leadership, AI-driven decision-making, coaching techniques, and strategic foresight frameworks, each designed to equip THDCIL leaders for the demands of the modern business environment. A total of 24 participants from various departments attended the workshop, engaging actively in the dynamic learning environment.

Set against the spiritually resonant backdrop of Shree Jagannath Dham, the architectural marvel of Konark, and the tranquil shores of Puri, the workshop also offered space for reflection and personal renewal, fostering not just professional development, but holistic leadership growth.

The successful execution of this workshop underscores THDCIL's ongoing commitment to developing leadership excellence and strategic capability within its ranks. While the program was hosted outside the organization's premises, in the spiritually enriching city of Puri, it was meticulously facilitated and coordinated by THDC's training centre i.e., Takshshila: Sustainable Livelihood and Community Development Centre, THDCIL's state-of-the-art HRD facility based in Rishikesh. Known for its cutting-edge infrastructure, serene learning environment, and future-focused training modules, Takshshila plays a central role in driving the organization's learning and development initiatives of national and international repute. The centre continues to serve as a national platform for advanced skill development, not just within THDCIL but across CPSUs and private organizations, blending technical training with holistic growth to build a resilient, future-ready workforce.

THDC Launches Online Vigilance Complaint Handling System to Strengthen Ethical Governance and Digital Transparency

In a significant step towards promoting transparency, accountability, and Ethical Governance, THDC India Limited has formally launched its Online Vigilance Complaint Handling System. This launch marks a major leap in the company's efforts to strengthen Preventive Vigilance using digital innovation.

Sh. R. K. Vishnoi, Chairman and Managing Director, THDCIL, stated that this forward-thinking initiative reinforces our unwavering commitment to Transparency and Integrity. The new platform empowers individuals to report concerns without fear or hesitation, and it strengthens our institutional resolve to act swiftly and fairly. In an age where governance and ethics must walk hand in hand with technology, THDCIL is determined to be a benchmark of digital vigilance within the power sector." He further added, "This is not merely a technical upgrade, it is a reaffirmation of our value system, where every voice matters, every concern is taken seriously, and every process is rooted in fairness.

Ms. Rashmita Jha (IRS),Chief Vigilance Officer (CVO), THDCIL, who played a pivotal role in conceptualizing and driving this initiative formally inaugurated online Vigilance Complaint handling system at Corporate Office, Rishikesh. Speaking on the occasion, Ms. Jha remarked that this system is a step towards institutionalizing ethical culture and responsiveness within our organization. By ensuring ease of access, data confidentiality, and accountability, we are empowering both our internal stakeholders and the public to participate actively in our vigilance ecosystem." She emphasized that preventive vigilance must go beyond reactive measures and be embedded into the fabric of day-to-day governance. "The portal reflects our intent to address concerns promptly while also building trust. It is an effort to bridge gaps and bring transparency to the forefront using structured digital tools," she added. The portal incorporates several advanced features including online and offline complaint registration with a unique tracking ID, role-based access controls for data confidentiality, real-time dashboards for complaint tracking, automatic generation of verification letters, a centralized complaint master database, and seamless integration with internal modules for efficient case handling. Developed through a collaborative effort between the Vigilance and IT departments, the system reflects a shared vision under the leadership of Ms. Jha, and is aligned with the Central Vigilance Commission (CVC) guidelines. During the event Sh. S.S. Panwar, CGM (IT); Sh. S.K. Arya, Dy. CVO, and officers from the Vigilance and IT departments were also present. With this initiative, THDCIL reaffirms its unwavering commitment to service excellence, ethical governance, and digital transparency, taking a bold step towards a more responsible and responsive organizational culture.

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड की टिहरी परियोजना में स्वच्छता पखवाड़ा-2025 का सफल आयोजन

टिहरी परियोजना में "स्वच्छता पखवाड़ा-2025" का आयोजन 16 मई से 31 मई, 2025 तक किया गया। स्वच्छता पखवाड़े का शुभारंभ कार्यपालक निदेशक (टिहरी कॉम्प्लेक्स), श्री एल.पी. जोशी द्वारा सभी कार्मिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाते हुए किया गया।

इस पखवाड़े के अंतर्गत विभिन्न कार्यालय स्थलों जैसे प्रशासनिक कार्यालय, कार्यपालक निदेशक सचिवालय प्रांगण, पी.एस.पी. कार्यालय, भागीरथीपुरम चिकित्सालय, अतिथि गृह भागीरथीपुरम, बाजारों, पर्यटक स्थलों आदि पर स्वच्छता बैनर प्रदर्शन कर कार्मिकों एवं आम जन-मानस को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया, विभिन्न विद्यालयों के स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए निबंध, नारा लेखन, चित्रकला प्रतियोगिताओं का आयोजन, स्वच्छता जागरूकता हेतु नरेन्द्र महिला विद्यालय की छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं हेतु "मासिक धर्म एवं व्यक्तिगत स्वच्छता" पर जागरूकता अभियान का आयोजन भी किया गया | उक्त जागरूकता अभियान के अंतर्गत भागीरथीपुरम चिकित्सालय की अपर महाप्रबंधक (चिकित्सालय प्रभारी), डॉ. नमिता डिमरी द्वारा मासिक धर्म एवं व्यक्तिगत स्वच्छता पर व्याख्यान दिया गया। साथ ही छात्राओं को सैनिटेरी पैड भी वितरित किए गए |

नरेन्द्र महिला विद्यालय भागीरथीपुरम, टिहरी बांध परियोजना इंटर कॉलेज भागीरथीपुरम के छात्र-छात्राओं हेतु "ट्रेश टू ट्रेजर" (कचरे से मूल्यवान वस्तु बनाना) को बढ़ावा देने के लिए पुनर्नवीनीकरण कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। साथ ही छात्र-छात्राओं द्वारा अपनी-अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर अपशिष्ट सामग्री से कई उपयोग में लाई जाने वाली वस्तुएं बनाई गईं। साथ ही प्लास्टिक थैलियों पर अंकुश लगाने हेतु भागीरथीपुरम एवं कोटी कॉलोनी बाजारों में डोर टू डोर जाकर बायोडिग्रेडेबल थैलियों का वितरण कर जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया तथा विभिन्न कार्यालय स्थलों में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया।

स्वच्छता पखवाड़े के अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (कोटेश्वर परियोजना), श्री एम.के. सिंह, मुख्य महाप्रबंधक (पीएसपी), श्री ए.आर. गैरोला, अपर महाप्रबंधक (मा.सं.एवं प्रशा.), श्री डी.पी. पात्रो, अपर महाप्रबंधक (चिकित्सालय), डॉ. नमिता डिमरी, अपर महाप्रबंधक (ओ.एण्ड एम.), श्री रवींद्र राणा, वरिष्ठ प्रबंधक (मा.सं.एवं प्रशा.), श्री मोहन सिंह, प्रबंधक (जनसंपर्क), श्री मनबीर सिंह नेगी, प्रबंधक (मा.सं.एवं प्रशा.) श्री दीपक उनियाल, उप प्रबंधक (जनसंपर्क), श्री आर.डी. ममगाईं, कनिष्ठ अधिकारी, श्री अरविन्द सिंह चौहान, श्री रणजीत, श्री सुरेश, श्री रामपाल पडियार, श्री शुभम, श्री राजवीर सहित टीएचडीसी के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

वीपीएचईपी द्वारा ठेकेदारों/आपूर्तिकर्ताओं के लिए सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के सतर्कता विभाग द्वारा विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना में, परियोजना से जुड़े ठेकेदारों एवं आपूर्तिकर्ताओं के लिए सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य भागीदारों को भ्रष्टाचार विरोधी प्रबंधन प्रणाली, पीआईडीपीआई प्रावधान, आंतरिक सतर्कता शिकायत प्रक्रिया एवं ठेकेदारों द्वारा पालन किए जाने वाले विभिन्न श्रम कानूनों एवं अनुपालनों के संबंध में जानकारी प्रदान करना था। यह जानकारी श्री कमल नौटियाल, उप महाप्रबंधक (सतर्कता) एवं श्री सुमित टम्टा, वरिष्ठ प्रबंधक (सतर्कता) द्वारा प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दी गई।

इस कार्यक्रम में श्री बी.एस. पुंडीर, अपर महाप्रबंधक (योजना एवं सुरक्षा) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में सार्वजनिक उपक्रमों में नैतिकता, पारदर्शिता एवं ईमानदारी के महत्व को रेखांकित किया और सभी ठेकेदारों से सुशासन की भावना के अनुरूप कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर परियोजना के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण जैसे श्री आर.एस. मखलोगा,उप महाप्रबंधक (यांत्रिक एवं जल यांत्रिक), श्री ओ.पी. आर्य, उप महाप्रबंधक (संविदा परिचालन/भवन एवं सड़क), श्री अनिल नौटियाल, उप महाप्रबंधक (जल यांत्रिक), श्री वाई.एस. चौहान, प्रबंधक (जनसंपर्क), श्री डी.एस. पंचपाल, प्रबंधक (भवन एवं सड़क), श्री अभिषेक सिंह तोमर, सहायक प्रबंधक (मा.सं. एवं प्रशा.) तथा श्री अविनाश कुमार, सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क) भी उपस्थित रहे।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

श्री प्रशान्त राज कुमवाल, पुत्र श्री खुशीराम कुमवाल, तकनीशियन (मा. सं. एवं प्रशा.), टिहरी ने ICSE बोर्ड के अंतर्गत कक्षा 10वीं में 93% अंक लेकर सफलतापूर्वक उत्तीर्ण किया है | टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड परिवार श्री प्रशान्त राज कुमवाल को बधाई देता है तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है |

लेडीज़ क्लब

तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

07 जून, 2025 को टीएचडीसी, टिहरी की तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब की सदस्याओं द्वारा टीएचडीसी के टॉप टेरेस अतिथि गृह में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब की अध्यक्षा, श्रीमती विजया जोशी द्वारा वृक्ष लगा कर तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब की सदस्याओं को संबोधित किया | वृक्ष न केवल हमें शुद्ध हवा, लकड़ी, पशुओं के लिए चारा, फल प्रदान करते हैं, बल्कि वे पर्यावरण को भी संतुलित रखते हैं। धरती पर पेड़ पौधों के अस्तित्व के बिना मनुष्य, जानवरों और अन्य प्रजातियों का अस्तित्व संभव नहीं है। आज के समय में मानव हस्तक्षेप के कारण वृक्षों के निरंतर कटान से हमारा पर्यावरण दूषित होता जा रहा है और अनेक तरह की बीमारियां भी फैल रही हैं। इसलिए हमें स्वस्थ रहने के लिए निरंतर वृक्षारोपण करना चाहिए। तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब की सदस्याओं द्वारा विभिन्न प्रकार के वृक्षों का पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर तरंगिनी ऑफिसर्स महिला क्लब की अध्यक्षा श्रीमती विजया जोशी, उपाध्यक्षा श्रीमती विभा सिंह, श्रीमती सस्मिता शाहू, श्रीमती मीना मिश्रा, श्रीमती सन्तनालता, श्रीमती सुमन ग्रोवर, श्रीमती दीपा मित्तल आदि उपस्थित थे।

टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन, ऋषिकेश 'तेजस्विनी' द्वारा मासिक बैठक का आयोजन

टीएचडीसी लेडीज़ वेलफेयर एसोसिएशन, ऋषिकेश 'तेजस्विनी' द्वारा 18 जून, 2025 को एसोसिएशन की मासिक बैठक आयोजित की गई। जिसमें एसोसिएशन की सदस्या श्रीमती मोहना राज का विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत तेजस्विनी गीत द्वारा की गई। सभी सदस्यों ने मजेदार गेम और तंबोला का भी आनंद उठाया।

एसोसिएशन की मुख्य संरक्षिका श्रीमती चंचल विश्नोई, एसोसिएशन की संरक्षिका श्रीमती मनु शिखा गुप्ता एवं संरक्षिका श्रीमती पूजा गर्ग ने श्रीमती मोहना को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। विदाई समारोह के पश्चात जून माह में जन्मी सभी सदस्याओं का जन्मोत्सव भी धूमधाम से मनाया गया।

वीपीएचईपी में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना में 19 जून, 2025 को हिंदी कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यशाला वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के अंतर्गत राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं कार्यालयीन कार्यों में अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु आयोजित की गई। परियोजना प्रमुख, श्री अजय वर्मा (मुख्य महाप्रबंधक), श्री के.पी. सिंह, महाप्रबंधक (टीबीएम/सामाजिक एवं पर्यावरण), श्री पी.एस. रावत, महाप्रबंधक (विद्युत गृह) तथा कार्यशाला के प्रशिक्षक डॉ. दिगपाल सिंह (सहायक प्रोफेसर) द्वारा इसका शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यशाला में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रभावी प्रयोग, राजभाषा अधिनियम एवं नियमों की जानकारी प्रदान की गई।

इस अवसर पर 11 जून, 2025 को आयोजित 'तिमाही राजभाषा प्रतियोगिता' के विजेताओं को सम्मानित भी किया गया। विजेताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर हिंदी के प्रति उनके योगदान को सराहा गया। इसके अंतर्गत श्री अविनाश कुमार, सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क), श्री नरेश जोशी, कनिष्ठ अभियंता (यांत्रिक), श्री मोहित कथूरिया, अभियंता प्रशिक्षु, जल यांत्रिक, श्री केश चन्द्र, कनिष्ठ अभियंता (बिजली एवं संचार) एवं श्री भानु प्रताप सिंह, कनिष्ठ अभियंता (सिविल) को प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ व पंचम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम में परियोजना के अनेक वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे, जिनमें श्री आर.पी. मिश्रा, अपर महाप्रबंधक (प्रभारी, बांध), श्री अजय कुमार, उप महाप्रबंधक (भूविज्ञान एवं भू-तकनीकी), श्री ओ.पी. आर्य, उप महाप्रबंधक (संविदा परिचालन/भवन एवं सड़क), श्री बी.सी. चौधरी, उप महाप्रबंधक (गुणवत्ता नियंत्रण) एवं श्री अनिल नौटियाल, उप महाप्रबंधक (जल यांत्रिक) सम्मिलित रहे।

कार्यशाला के आयोजन में मानव संसाधन एवं प्रशासन विभाग के हिंदी अनुभाग की विशेष भूमिका रही, जिसने राजभाषा के प्रचार-प्रसार में अपनी सक्रियता को पुनः प्रमाणित किया।

वीपीएचईपी में रिकॉर्ड ऑफिस का उद्घाटन

विष्णुगाड-पीपलकोटी जल विद्युत परियोजना में 19 जून, 2025 को नवनिर्मित रिकॉर्ड ऑफिस का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख (वीपीएचईपी), श्री अजय वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ श्री के.पी. सिंह, महाप्रबंधक, (टीबीएम/समा. एवं पर्या.) एवं श्री पी.एस. रावत, महाप्रबंधक (विद्युत गृह) भी उपस्थित थे।
इस अवसर पर श्री अजय वर्मा ने मानव संसाधन एवं प्रशासन विभाग, पीपलकोटी को रिकॉर्ड ऑफिस की स्थापना के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह सुविधा अभिलेखों एवं दस्तावेजों के संरक्षण, संग्रहण एवं सहज उपलब्धता के लिए अत्यंत आवश्यक है, जिससे परियोजना के कार्यों में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व एवं प्रशासनिक दक्षता सुनिश्चित होगी।
श्री वी.डी. भट्ट, वरिष्ठ प्रबंधक प्रभारी (मा.सं. एवं प्रशा.) एवं श्री अहमद रजा, सहायक प्रबंधक/रिकॉर्ड ऑफिसर ने इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुराने और अभिलेखीय रिकॉर्ड जमा करने की प्रक्रिया एवं नियमों की जानकारी दी।
इस अवसर पर कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें श्री आर.पी. मिश्रा, अपर महाप्रबंधक (प्रभारी, डैम), श्री अजय कुमार, उप महाप्रबंधक (भूविज्ञान एवं भू-तकनीकी), श्री ओ.पी. आर्य, उप महाप्रबंधक (संविदा परिचालन/भवन एवं सड़क), श्री बी.सी. चौधरी, उप महाप्रबंधक (क्वालिटी कंट्रोल), एवं श्री अनिल नौटियाल, उप महाप्रबंधक (जल यांत्रिक) शामिल रहे।

वीपीएचईपी कर्मचारियों के लिए प्रेरक एवं स्वास्थ्यवर्धक सत्र का आयोजन

वीपीएचईपी के मानव संसाधन एवं प्रशासन विभाग द्वारा परियोजना परिसर में कर्मचारियों के लिए एक विशेष प्रेरक एवं स्वास्थ्यवर्धक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह सत्र देश के प्रमुख कॉर्पोरेट मोटिवेटर एवं वेलनेस कोच, श्री राकेश कुमार द्वारा संचालित किया गया। कार्यक्रम में व्यक्तिगत स्वास्थ्य, भावनात्मक लचीलापन, व्यवहार विज्ञान और कार्यक्षेत्र में प्रेरणा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित मॉड्यूल शामिल किए गए, जिनका लाभ वीपीएचईपी इकाई में कार्यरत लगभग 40 व्यक्तियों ने उठाया।
कार्यक्रम की शुरुआत में श्री वी.डी. भट्ट, वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) तथा श्री अविनाश कुमार, सहायक प्रबंधक (जनसंपर्क) ने मुख्य वक्ता एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। इस अवसर पर परियोजना प्रमुख एवं मुख्य महाप्रबंधक, श्री अजय वर्मा ने मानव संसाधन विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा, "इस प्रकार के प्रेरक एवं स्वास्थ्यवर्धक सत्र हमारे युवा कर्मचारियों के व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। यह पहल टीएचडीसीआईएल की सकारात्मक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने, मानसिक स्वास्थ्य सुदृढ़ करने एवं कर्मचारियों को तनाव प्रबंधन तथा चुनौतियों भरे कार्य वातावरण में दक्षता के साथ कार्य करने के लिए तैयार करने की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।" कार्यक्रम का समापन श्री राकेश कुमार का आभार प्रकट करते हुए तथा सभी प्रतिभागियों के उत्साही सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

Generating Power...Transmitting Prosperity...

HRD CORNER

Tapas: Wellness Training program for Grid India Professionals

A 03-day training program on "Tapas: Unlocking Wellness Through Ancient & Modern Practices" was held from 11th to 13th June, 2025 at Takshshila Sustainable Livelihood and Community Development Centre, HRD Campus, Rishikesh for Grid India Professionals under the Revenue Generation initiative of HRD Centre. The program was designed to cater to emerging needs of stress management, lifestyle awareness and productivity enhancement. The program included sessions on Nutrition and Lifestyle Management, Yoga Nidra, Pranayama, Sound Healing, Session on Managing Stress and lifestyle related diseases, Health Talk by experts from AIIMS, Rishikesh and Day Camping at Phool Chatti, Rishikesh. The program was attended by 31 participants from Grid India and an overwhelming response was received.

Interactive Session for Executives Aspiring for Leadership Roles

A 01-day Interactive Session in hybrid mode was conducted on 19th June, 2025 at Takshshila Sustainable Livelihood and Community Development Centre, HRD Campus, Rishikesh for executives in E6 grade aspiring for Leadership Roles. The Session was designed with the aim to enhance capabilities to take on leadership roles and higher responsibilities. The Session included Topics on Overall Scenario of Indian Power Sector, Hydro Power– Untapped Potential and Scope ahead, Leadership Development, Effective Communication, Managing Workplace & Diversity. The Session was attended by 62 number of participants from across all locations of THDCIL.

Coaching & Guidance Program for Supervisors due for promotion to Executive Cadre

A 03-day Coaching & Guidance Program for Supervisors due for promotion to Executive Cadre was held from 23rd to 25th June, 2025 at Takshshila Sustainable Livelihood and Community Development Centre, HRD Campus, Rishikesh. The program was designed to sensitize the employees for appearing in the Cadre Change Examination. The program was facilitated by Internal Faculties on various topics viz; Power Scenario in India and details of Power Stations of THDCIL, details regarding the company such as Annual Report, Sustainability Report, various Policies, CDA Rules, CSR Scheme, Organization Structure, Articles of Association etc., apart from sessions on Numerical Aptitude, English and General Awareness.

योगः कर्मसु कौशलम्।
Excellence in Karma is Yoga.

Bridging Aspirations with Impact: THDCIL's CSR Journey in Aspirational Districts

Sh. Harsh Kumar
GM (S&E)
Rishikesh

Mrs. Mehak Sharma
Dy. Manager (S&E)
Rishikesh

Ms. N. Sonam Chanu
FTB(S&E)
Rishikesh

The Aspirational Districts Program was launched in 2018 by NITI Aayog to transform the 112 most under-developed districts across the country. The program strives to ensure convergence of central and state government schemes, collaboration of central, state, and district level nodal officers, and foster competition among districts through monthly delta ranking. The ranking is based on the incremental progress made across 49 Key Performance Indicators (KPIs) under 5 broad socio-economic themes namely Health and Nutrition, Education, Agriculture and Water Resources, Financial Inclusion & Skill Development and Infrastructure.

In the spirit of 'Sabka Saath Sabka Vikas aur Sabka Vishwas', the Government of India has strived to raise the standard of living of citizens across the country to make sure that no one is left behind in the development process. NITI Aayog works closely with line ministries and development partners to accelerate progress at the district level, with Corporate Social Responsibility initiatives from Central Public Sector Enterprises (CPSEs) like THDC India Limited which play a vital role in driving this transformation, fostering inclusive development in line with the government's vision of "Sabka Saath, Sabka Vikas, aur Sabka Vishwas."

Contributing significantly to this mission, THDCIL has created visible and impactful change in two aspirational districts - Haridwar in Uttarakhand, and Singrauli in Madhya Pradesh. Through targeted CSR interventions, THDCIL has catalyzed development across critical sectors, creating a blueprint for holistic community growth.

THDCIL's Intervention in Aspirational Districts

Health and Nutrition: A Healthier Tomorrow- Healthcare accessibility is a cornerstone of THDCIL's initiatives. Over 15,000 lives have been positively impacted through 10 medical camps organized in Haridwar, Uttarakhand. THDCIL has also provided essential medical equipment to government hospitals, including mortuary vans, deep freezers, hospital beds, health ATMs, blood pressure machines and testing machines. Furthermore, in Haridwar, the distribution of artificial limbs and tricycles for specially-abled individuals, reflects THDCIL's commitment to fostering inclusivity. The construction of ramps, railings, and the renovation of toilets for specially-abled persons at six locations in the Homoeopathic Department of the Government Hospital, Haridwar, further highlights this dedication. Additionally, in line with environmental consciousness under the Swachhta Action Plan, a Biocrux-G Bottle Crusher Machine was installed at Haridwar Railway Station. Similarly, in Singrauli, Madhya Pradesh, THDCIL organized four medical camps that provided healthcare services to 680 patients across Tenduha and Bandha Gram Panchayats. These initiatives have not only improved access to healthcare but have also empowered marginalized communities to lead dignified lives. Additionally, recognizing the importance of health and hygiene for young girls, THDCIL procured and distributed sanitary pads to schoolgirls near the Amelia Coal Mine Project in Singrauli.

Education: Building Foundations for the Future- With education being a key pillar of socio-economic development, THDCIL has worked extensively to support and uplift government educational institutions. In Haridwar, initiatives including the distribution of computers to improve digital literacy, construction of new classrooms, and the provision of infrastructure for schools catering to specially-abled students. Under the Swachh Vidyalaya Abhiyan, THDCIL constructed 277 school toilets, ensuring hygiene and safety for students. Additionally, the repair and furnishing of 105 classrooms and distribution of 175 sets of classroom furniture has enhanced the learning environment across schools. More than 150 youths from economically weaker sections have been empowered through computer training program, bridging the digital divide.

Mr. Dinesh Chandra, a teacher at GIC Shyampur, expressed gratitude by stating, "The new classrooms have significantly improved our teaching capacity. We are grateful to THDCIL for their impactful support." In Singrauli, Madhya Pradesh, THDCIL's educational efforts include construction of toilets, installation of RO water filters and coolers, benefitting over 1,000 students.

Furthermore, a dedicated school bus has been provided to ease transportation for children of families impacted by the Amelia Coal Mines project.

Financial Inclusion and Skill Development: Empowering Communities- Under its CSR initiatives, THDCIL has trained over 750 women in tailoring and beautician courses, creating new avenues for self-employment and financial independence in aspirational districts. In Singrauli, the establishment of a tailoring training center has equipped community members with valuable vocational skills, empowering them to achieve economic self-reliance. Furthermore, THDCIL facilitated ITI training in Electrician and Fitter trades for 20 students from Bandha and Tenduha Gram Panchayats in Singrauli, equipping them with the skills to pursue better career opportunities. Additionally, financial assistance was provided for coaching in Banks, Railways, SSC, and Teaching competitions in Singrauli.

Infrastructure: Building for the Community- Infrastructure development lies at the core of THDCIL's vision for sustainable and inclusive growth. In Haridwar, the installation of a 200kW solar rooftop plant and deployment of 222 LED and 69 solar streetlights has enhanced public safety and promoted green energy use in rural areas.

To support economic empowerment, THDCIL has built workshops for Self Help Groups (SHGs) in collaboration with the District Rural Development Authority, creating local livelihood hubs. A multipurpose workshop building and community halls constructed in both Haridwar and Singrauli have further fostered social cohesion and enabled collective community activities. Furthermore, initiatives like the distribution of blankets and nutritional items to underserved communities during harsh winters reflect THDCIL's deep commitment to uplifting vulnerable populations.

A noteworthy addition to the infrastructure portfolio in Singrauli is the construction of an RCC slab culvert (Puliya) in Medhaliya Gram Panchayat, Tenduha, under THDCIL's CSR initiative. This culvert has resolved long-standing accessibility issues for the local community, particularly during the rainy season, enhancing year-round connectivity to nearby markets, schools, and health centres.

Complementing this, THDCIL has also constructed a well-equipped Gaushala in the same village to provide shelter and care for stray and abandoned cattle. This initiative not only safeguards animals but also benefits farmers through the use of organic manure produced at the Gaushala, thereby contributing to sustainable agriculture and community-based livestock management. Furthermore, the plantation of over 1,000 trees in rehabilitation colonies has contributed significantly to ecological balance and enhanced green cover. Aligning with sustainable practices, THDCIL has also established an electric vehicle charging station in Haridwar, encouraging the adoption of eco-friendly transportation.

The Way Forward: A Continual Commitment

THDCIL's CSR work in Aspirational Districts is not just about infrastructure or statistics, it is about people, progress, and possibilities. By addressing healthcare, education, agriculture, skills, and infrastructure in a holistic manner, THDCIL is actively contributing to India's goal of balanced regional development. Looking ahead, the company is committed to scaling up its impact through innovative solutions, grassroots partnerships, and sustainable practices. With each step, THDCIL remains firmly rooted in its vision, To uplift lives, strengthen communities, and ensure no one is left behind.

Medical Camp at Haridwar, Uttarakhand

Dental Chair at Govt. Hospital, Haridwar, Uttarakhand

School Bus for children in Singrauli, MP.

Construction of Gaushala in Singrauli, MP.

भावभीनी विदाई एवं सुखद भविष्य की शुभकामनाएं

श्री सी. पी. राज
अपर महाप्रबंधक (ईएमडी)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 30-06-2025

श्री अनिल कुमार भट्ट
उप महाप्रबंधक (टीबीएम)
पीपलकोटी
सेवानिवृत्ति: 30-06-2025

श्री आनंद सिंह
उप महाप्रबंधक
ट्रेडको राजस्थान लि., बिकानेर
सेवानिवृत्ति: 30-06-2025

श्री एम. एम. एस. चौहान
उप महाप्रबंधक (लाइजन)
देहरादून
सेवानिवृत्ति: 30-06-2025

श्री डी. डी. थपलियाल
वरिष्ठ प्रबंधक (तकनीकी सेल)
सिंगरौली
सेवानिवृत्ति: 30-06-2025

श्री ए.एम. बहुगुणा
वरिष्ठ प्रबंधक (डी एंड पीएच)
कोटेश्वर
सेवानिवृत्ति: 30-06-2025

श्री ओमप्रकाश रतूड़ी
वरिष्ठ प्रबंधक (सीएसआर)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30-06-2025

श्री एस.पी. उनियाल
सहायक प्रबंधक (विद्युत घर)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30-06-2025

श्री एस.एस. पंवार
अधिकारी (विधि एवं पुनर्वास)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30-06-2025

श्री बलेश कुमार
उप अधिकारी (प्रापण)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 30-06-2025

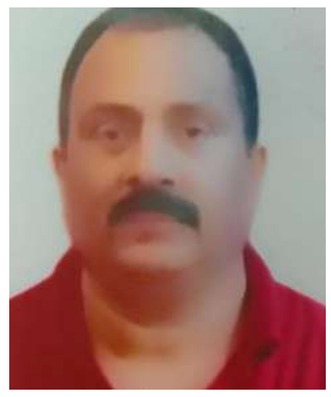

श्रीमती प्रभा रतूड़ी
उप अधिकारी (मेडिकल)
ऋषिकेश
सेवानिवृत्ति: 30-06-2025

श्री गिरीश उनियाल
कनिष्ठ अधिशासी (पीएसपी)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30-06-2025

श्री शिव कुमार
कनिष्ठ अभियंता (विद्युत)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30-06-2025

श्री रघुबीर लाल
हेल्पर (अस्पताल)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30-06-2025

श्रीमती राम लली देवी
परिचारिका (अस्पताल)
टिहरी
सेवानिवृत्ति: 30-06-2025

Designed In-House by Corporate Communication
Department, Rishikesh

टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड
THDC INDIA LIMITED

डॉ. ए. एन. त्रिपाठी, मुख्य महाप्रबंधक (जा. सं. एवं प्रसा. व जनसंपर्क) द्वारा टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए गंगा भवन, प्रगतिपुरम, बाईपास रोड, ऋषिकेश- 249201 (उत्तराखंड) से प्रकाशित
फोन: 0135-2473504, वेबसाइट: www. thdc. co.in, ईमेल: prthdcil@gmail.com & hj.thdc@gmail.com
गृह पत्रिका/न्यूज लेटर में प्रकाशित लेखों/रचनाओं में व्यक्त किए गए विचार लेखकों के अपने हैं और उनसे टीएचडीसीआईएल प्रबंधन का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
(निशुल्क आंतरिक वितरण के लिए)